27 मार्च 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

प्रमुख खबरें

- सरकार ने प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक डिजिटल दावा निपटान मॉड्यूल-डिजिक्लेम-शुरू किया है, जो किसानों को पीएम-किसान की तरह इलेक्ट्रॉनिक रूप से वितरित राशि प्राप्त करने में मदद करेगा।
- कृषि विपणन सहकारी नाफेड ने बाजरा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी पहलों पर अपना समर्थन देने के लिए कृषि मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं।
- फरवरी 2023 में भारत का ग्वारगम निर्यात पिछले महीने के 21,326 टन की तुलना में 13% घटकर 18,488 टन रह गया।
- भारतीय खाद्य निगम के पास खाद्यान्न स्टॉक तीन साल पहले के 92 प्रतिशत से घटकर इस वित्तीय वर्ष में कुल क्षमता का 78 प्रतिशत रह गया है।
- भारत ने मार्च 2023 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों के दौरान 86.21 बिलियन डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया, जो भारत के कुल वस्तु निर्यात का 21 प्रतिशत से अधिक है।
- विश्व इस्पात संघ को रिपोर्ट करने वाले 63 देशों में कच्चे इस्पात का उत्पादन फरवरी 2023 में 142.4 मिलियन टन हुआ है, जो फरवरी 2022 की तुलना में 1% की कमी है।
- इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप ने अपने नवीनतम मासिक बुलेटिन में कहा कि विश्व स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में जनवरी में 103,000 टन सरप्लस रहा है, जबकि इसके पिछले महीने 10,000 टन सरप्लस था।
- भारत सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम के घरेलू उत्पादन पर विंडफॉल बढ़त को 4,400 रुपये प्रति टन से घटाकर 3,500 रुपये प्रति टन कर दिया।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	17.03.23	23.03.23	बदलाव (%)
जीरा	33,180.00	34,790.00	4.85%
हल्दी	6,716.00	7,002.00	4.26%
ग्वारगम	11,510.00	11,945.00	3.78%
ग्वारसीड	5,531.00	5,706.00	3.16%
कॉटनऑयलसीडकेक	2,674.00	2,754.00	2.99%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	17.03.23	23.03.23	बदलाव (%)
तांबा	754.75	783.45	3.80%
कच्चा तेल	5584.00	5790.00	3.69%
कच्चा तेल एम	5588.00	5792.00	3.65%
चांदी	68501.00	70212.00	2.50%
चांदी एम	68458.00	70122.00	2.43%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	17.03.23	23.03.23	बदलाव (%)
स्टील लांग	49,020.00	48,390.00	-1.29%
सीसेम सीड	16,765.00	16,595.00	-1.01%
कॉटन 29 एमएम	29,360.00	29,150.00	-0.72%
धान बासमती	4,429.00	4,424.00	-0.11%
कपास न्यू	1,568.00	1,567.50	-0.03%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	17.03.23	23.03.23	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	197.30	178.60	-9.48%
नेचुरल गैस मिनी	208.90	192.40	-7.90%
निकल	2022.50	1967.00	-2.74%
कपास	1595.00	1575.00	-1.25%
मेंथा ऑयल	1003.90	992.10	-1.18%

साप्ताहिक समीक्षा

बाजार में दो हफ्ते की गिरावट के बाद रोक लगी। मुख्य घटना निश्चित रूप से फेड की बैठक थी। फेड ने बुधवार को ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की, लेकिन मौद्रिक नीति को कड़ा करने पर यह संकेत देते हुए अपनी बयानबाजी को नरम कर दिया कि यह आगे की आर्थिक बाधाओं को रोकने के लिए नीति को कसने में एक अंतिम रोक पर विचार कर सकता है। बैंक ने इस वर्ष में अपने आर्थिक विकास के पूर्वानुमान को भी कम कर दिया। यद्यपि फेड ने उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की और कहा कि वह मुद्रास्फीति को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन फेड की भाषा में बदलाव के बाद बाजार ने अनुमान लगाया कि केंद्रीय बैंक दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगा सकता है। इस कारण प्रमुख करेंसियों के मुकाबले डॉलर सात सप्ताह के निचले स्तर पर लुढ़क गया, जिससे डॉलर की कीमत वाली कमोडिटीज की कीमतों में बढ़ोतरी हुई । फेड के आक्रामक बयानों में कमी से भी सोने जैसी गैर-यील्ड देने वाली संपत्तियों के लिए आउटलुक को बढ़ावा मिला। फेड की नीति में संभावित बदलाव संभावित बैंकिंग संकट के कारण हुआ है, जो ब्याज दरों में तेज वृद्धि के बीच कई अमेरिकी बैंकों को सामना करना पड़ रहा है। इस घटना के बाद निवेशकों ने एक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने में निवेश किया। अमेरिकी आर्थिक विकास के धीमा होने की संभावना और फेड के लचीले बयानों से सोने की कीमतों को मदद मिली। एमसीएक्स पर सोने की कीमतें 60320 के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई और कॉमेक्स पर सोना 2000 डॉलर को पार कर गया और कई महीनों के बाद लगभग 2015 डॉलर तक पहुंच गया। निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने एक नोट में कहा कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश संपत्ति है, और सोने की कीमतों के लिए अपने लक्षित मूल्य को 1950 डॉलर प्रति औंस से बढ़ाकर 2050 डॉलर प्रति औंस कर दिया है। चांदी की कीमतें 70000 के स्तर को पार कर गई। बेस मेटल मिलाजुला रहा। लगभग एक महीने की गिरावट के बाद आपूर्ति की कमी के मुद्दे पर तांबे की कीमतों में बढ़ोतरी हुई जबकि कमजोर आर्थिक सेंटीमेंट के कारण लेड और जिंक की कीमतें लगभग तीन सप्ताह के निचले स्तर पर रही जबकि एल्युमीनियम की कीमतों में मामूली बढ़त देखी गई। एनर्जी काउंटर में, कच्चे तेल में पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद मामूली रिकवरी देखी गई, जबकि नेचुरल गैस ने सभी सकारात्मक खबरों को नजरअंदाज किया और 195 के सपोर्ट स्तर से नीचे टूट गया।

कृषि क्षेत्र में, कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में तेजी जारी रही जबकि कपास का कारोबार सीमित दायरे में हुआ। मिलों की ओर से ग्वारसीड की मांग बढ़ने से ग्वार काउंटर में जोरदार उछाल देखा गया। निर्यात मांग में सुधार के कारण जीरे की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह वृद्धि जारी रही। उपज नुकसान के डर से धनिया की कीमतें तेजी के रूझान के साथ एक दायरे में रही । भारी वर्षा ओलावृष्टि के कारण भारत के उत्तरी भाग में फसल के नुकसान की रिपोर्ट से निकट अवधि में कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है। आवक की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे स्टॉकिस्ट मौजूदा स्तरों पर हल्दी की खरीदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। पिछले हफ्ते हल्दी की कीमतें 7000 के स्तर पर पहुंच गई। कैस्टर सीड की कीमतों में कुछ रिकवरी देखी गई। लेकिन कमजोर निर्यात मांग अभी भी अरंडी के तेल कारोबारियों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है क्योंकि निर्यात में गिरावट के साथ घरेलू स्टॉक में बढ़ोतरी हो रही है।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	16.03.23	23.03.23	(%)
जौ	जयपुर	2,300.00	2,314.55	0.63%
चना	दिल्ली	5,243.30	5,026.30	-4.14%
धनिया	कोटा	7,171.40	7,089.30	-1.14%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	864.50	851.80	-1.47%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,217.75	1,068.40	-12.26%
ग्वारसीड	जोधपुर	5,596.15	4,450.00	-20.48%
ग्वारगम	जोधपुर	11,681.65	9,000.00	-22.96%
जीरा	ऊंझा	31,246.85	34,373.70	10.01%
सरसों	जयपुर	5,600.45	5,641.95	0.74%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	1,041.35	1,030.00	-1.09%
सोयाबीन	इंदौर	5,483.00	5,374.30	-1.98%
हल्दी	निजामाबाद	6,786.55	6,995.70	3.08%
गेहूं	दिल्ली	2,457.30	2,500.00	1.74%
कॉटन	कड़ी	29,162.00	29,033.45	-0.44%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,649.50	2,748.70	3.74%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	16.03.23	23.03.23	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2267.50	2326.00	2.58%
तांबा	LME	नकद	8518.00	9031.00	6.02%
लेड	LME	नकद	2066.50	2126.00	2.88%
निकल	LME	नकद	23236.00	22517.00	-3.09%
जिंक	LME	नकद	2857.50	2907.00	1.73%
सोना	COMEX	अप्रैल	1923.00	1995.90	3.79%
चांदी	COMEX	मई	21.69	23.26	7.24%
लाइट क्रूड	NYMEX	मई	66.93	69.96	4.53%
नेचुरल गैस	NYMEX	अप्रैल	2.51	2.15	-14.34%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	17.03.23	23.03.23	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	मई	14.76	14.19	-3.86%
सोया तेल	CBOT	मई	57.46	52.17	-9.21%
कॉटन	ICE	मई	77.83	77.58	-0.32%
सीपीओ	BMD	जून	3,920.00	3,569.00	-8.95%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	16.03.23 क्वांटिटी	23.03.23 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	20	20	0
कैस्टर सीड	मी.टन	0	0	0
चना	मी.टन	6256	5897	-359
धनिया	मी.टन	169	1317	1148
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	7819	9207	1388
ग्वारगम	मी.टन	15004	15433	429
ग्वारसीड	मी.टन	23822	23822	0
जीरा	मी.टन	2082	2120	38
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	1029	1713	684
हल्दी	मी.टन	0	420	420

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	16.03.23 क्वांटिटी	23.03.23 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	1233	1233	0
तांबा	मी.टन	439883	323531	-116352
सोना	किग्रा	318	1143	825
सोना मिनी	किग्रा	13408	13400	-8
सोना गिनी	किग्रा	62300	63300	1000
लेड	किग्रा	144	144	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	96674	93117	-3556
चांदी एम	किग्रा	40910	40783	-127
जिंक	मी.टन	40783	0	-40783

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 16.03.23	स्टॉक की स्थिति 23.03.23	अंतर
एल्युमीनियम	532425	541325	8900.00
तांबा	73400	74600	1200.00
निकल	43956	43884	-72.00
लेड	25275	25725	450.00
जिंक	37775	39750	1975.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	अप्रैल	34790.00	14.03.23	तेजी	32000.00	33550.00	-	33500.00
NCDEX	**हल्दी**	**अप्रैल**	**7002.00**	**21.03.23**	**तेजी**	**6800.00**	**6660.00**	**-**	**6600.00**
NCDEX	**ग्वारसीड**	**अप्रैल**	**5706.00**	**21.03.23**	**तेजी**	**5700.00**	**5380.00**	**-**	**5350.00**
NCDEX	कैस्टरसीड	अप्रैल	6386.00	12.12.22	मंदी	7500.00	-	6470.00	6500.00
NCDEX	स्टील लांग	अप्रैल	48390.00	30.01.23	मंदी	50000.00	-	49250.00	49300.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	अप्रैल	2754.00	14.03.23	तेजी	2560.00	2480.00	-	2450.00
MCX	मेंथा ऑयल	अप्रैल	992.10	14.03.23	मंदी	1015.00	-	1056.00	1060.00
MCX	बुलडेक्स	अप्रैल	16182.00	13.03.23	तेजी	15500.00	15750.00	-	15700.00
MCX	चांदी	मई	70212.00	13.03.23	तेजी	64000.00	67200.00	-	67000.00
MCX	सोना	जून	60254.00	13.03.23	तेजी	57000.00	57650.00	-	5760.00
MCX	मेटलडेक्स	अप्रैल	17751.00	23.06.22	साइडवेज	17500.00	17000.00	18500.00	-
MCX	**तांबा**	**अप्रैल**	**774.45**	**21.03.23**	**तेजी**	**755.00**	**739.00**	**-**	**735.00**
MCX	लेड	अप्रैल	183.65	15.02.23	मंदी	184.00	-	189.00	190.00
MCX	**जिंक**	**अप्रैल**	**257.55**	**23.03.23**	**तेजी**	**257.50**	**252.00**	**-**	**250.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**अप्रैल**	**206.15**	**22.03.23**	**तेजी**	**204.00**	**201.00**	**-**	**200.00**
MCX	कच्चा तेल	अप्रैल	5790.00	30.01.23	मंदी	6400.00	-	5970.00	6000.00
MCX	नेचुरल गैस	अप्रैल	191.60	06.03.23	मंदी	230.00	-	233.00	235.00

*23/03/2023 का बंद भाव

नाट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम साप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस साप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

जिंक (अप्रैल) एमसीएक्स

जिंक (अप्रैल) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 278.20** **निचला स्तर: 253.70**

एमसीएक्स में जिंक (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 23 मार्च 2023 को 751.30 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 270.71 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 38.25 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

249.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 270.00 रू के टारगेट के लिए 256.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

धनिया (अप्रैल) एनसीडीईएक्स

धनिया (अप्रैल) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 9424.00** **निचला स्तर: 6768.00**

एनसीडीईएक्स में धनिया (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 23 मार्च 2023 को 6734.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 7409.14 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 52.076 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6850.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 7600.00 रू के टारगेट के लिए 7100.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कच्चा तेल (अप्रैल) एमसीएक्स

कच्चा तेल (अप्रैल) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 6720.00** **निचला स्तर: 535900**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 23 मार्च 2023 को 5790.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6252.99 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 36.456 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

5950.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 5400.00 रू के टारगेट के लिए 5800.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

अच्छी घरेलू और निर्यात मांग के कारण हल्दी वायदा (अप्रैल) की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। कीमतों में तेज गिरावट के बाद मसाला मिलें खरीदारी में दिलचस्पी दिखा रही हैं। आवक की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे स्टॉकिस्ट मौजूदा स्तर पर हल्दी की खरीदारी कर रहे हैं। निजामाबाद, सांगली, सेलम, इरोड जैसे प्रमुख बाजारों में कटाई की गतिविधियों में प्रगति के साथ आवक में तेजी आई है। लेकिन मार्च 23 में प्रमुख मंडियों में कुल आवक लगभग वर्ष-दर-वर्ष 57% कम रही है। पिछले वर्ष के 77 हजार टन की तुलना में 1-10 मार्च के दौरान लगभग 33 हजार टन की आवक हुई। फिर भी कमजोर उत्पादन संभावनाओं से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ेगा। मसाला बोर्ड ने हल्दी का उत्पादन 1.33 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया है, जो इस वर्ष 18.4% अधिक है। हल्दी की कीमतों को 6800 के पास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है और निकट अवधि में 7600 की ओर बढ़ने की उम्मीद है।

निर्यात मांग में सुधार और राजस्थान एवं गुजरात के कुछ हिस्सों में बेमौसम बारिश, जिससे जीरे की गुणवत्ता और उपज पर असर पड़ा है, के कारण जीरा (अप्रैल) वायदा की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। एगमार्क पोर्टल के अनुसार, उंझा मार्केट यार्ड में, जहां जीरे का व्यापक रूप से कारोबार किया जाता है, जीरा की कीमत 1-20 मार्च के दौरान 34,775 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 38,000 रुपये प्रति क्विंटल-एक महीने से भी कम समय में 10% की वृद्धि-हो गई। लेकिन, नयी आवक बढ़ने और उच्च उत्पादन अनुमानों के कारण बढ़त सीमित रहने की संभावना है। फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइसेस स्टेकहोल्डर के अनुसार वर्ष 2023 में कुल उत्पादन वर्ष-दर-वर्ष 28% बढ़कर 384 हजार टन होने का अनुमान है। जीरा की कीमतों के 32000-37500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

धनिया वायदा (अप्रैल) की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है क्योंकि राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हाल ही में छिटपुट बारिश और ओलावृष्टि के कारण हाल ही में काटी गई धनिया की फसलों को कोई अधिक नुकसान नहीं हुआ है। धनिया का कुल उत्पादन 18%-20% अधिक होने का अनुमान है जिससे मार्च-अप्रैल में आवक में तेज वृद्धि हो सकती है। मांग में कमी आई है क्योंकि प्रमुख खरीदार और मसाला मिलें प्रमुख मंडियों में नई आवक की बढ़ती आपूर्ति की संभावना से थोक खरीद से परहेज कर रही हैं। अप्रैल-जनवरी 2023 के दौरान धनिया का निर्यात अप्रैल-जनवरी 2022 के दौरान निर्यात किए गए 41,153.95 टन की तुलना में 10.53 प्रतिशत घटकर 36,823.43 टन रह गया। धनिया की कीमतों के 6900-7550 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

बाजारों में आवक बढ़ने और धागे की निर्यात मांग के कारण कॉटन/कपास की कीमतों में साइडवेज कारोबार होने की उम्मीद है। गुजरात के कपास निर्यातक फरवरी से ही तुर्की और यूरोप से धागे की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि देख रहे हैं। पिछले दो महीनों में, भारत के कुल कपास निर्यात में तुर्की और यूरोप की हिस्सेदारी लगभग 15% से बढ़कर 30% हो गई है। लेकिन मार्च में भारत के उत्पादन क्षेत्रों में कृषि उपज विपणन समिति यार्डों में कपास की आवक तीन साल के उच्च स्तर तक बढ़ना शुरू हो गई है। एगमार्कनेट के आंकड़ों के मुताबिक, बढ़ती आवक ने इस सीजन (अक्टूबर 2022-सितंबर 2023) में कपास के सटीक उत्पादन को लेकर बाजार को भ्रमित कर दिया है। लेकिन कुछ बड़े किसान और स्टॉकिस्ट कीमतों में अधिक बढ़ोतरी की उम्मीद में अपनी गुणवत्ता वाली फसल रोके हुए हैं। एनसीडीईएक्स पर कपास (अप्रैल) की कीमतों के 1530-1590 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतें 60,000-62,000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर बढ़ती आपूर्ति के कारण कॉटनऑयलसीडकेक (अप्रैल) वायदा की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है क्योंकि कपास की आवक बढ़ रही है। कपास की आवक में कमी के कारण आपूर्ति अभी भी कम है। लेकिन कपास की सीमित निर्यात मांग के कारण वर्ष 2022-23 में कपास के बीज के उत्पादन पर बुरी तरह से प्रभाव पड़ा है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतें 2500-2850 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

प्रमुख स्थानीय बाजारों में आपूर्ति घटने के कारण ग्वारसीड (अप्रैल) वायदा की कीमतों में साइडवेज कारोबार करने की उम्मीद है। भारत से ग्वार स्प्लिट का निर्यात बढ़ने से भी कीमतों को मदद मिल रही है। फरवरी 2023 में भारत का ग्वार स्प्लिट निर्यात पिछले महीने के 3,711 टन की तुलना में 19% बढ़कर 4,420 टन हो गया। कच्चे तेल के उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि के कारण मिलों की ओर से ग्वारसीड की मांग में वृद्धि हुई है जिससे ग्वारगम की निर्यात संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 2022 में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 11.9 मिलियन बैरल प्रति दिन से बढ़कर 2023 में 12.4 मिलियन बैरल प्रति दिन और 2024 में 12.6 मिलियन बैरल प्रति दिन हो जाएगा। लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्वारसीड की कीमतें निकट भविष्य में 5300-6000 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं, जबकि ग्वारगम की कीमतों के 10500-13000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बैंकिंग सेक्टर में उथल-पुथल के कारण मांग कमजोर होने से मेंथा ऑयल वायदा (अप्रैल) की कीमतों में गिरावट की संभावना है। भारत के उत्तरी भाग में हाल ही में हुई वर्षा ने तापमान को कम कर दिया है जिससे बुवाई गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। कीमतों में 995 तक गिरावट देखी जा सकती है और निकट अवधि में 1030 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में पर्याप्त आपूर्ति के कारण अरंडी वायदा (अप्रैल) की कीमतों के साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। दैनिक आवक में वृद्धि हुई है, जबकि अरंडी के तेल के सुस्त निर्यात के कारण पेराई की मांग अभी भी कम है। अरंडी तेल कारोबारियों के लिए सुस्त निर्यात मांग अभी भी एक बड़ी चिंता है क्योंकि निर्यात में गिरावट के साथ घरेलू भंडार में बढ़ोतरी हो रही है। प्राथमिक सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, 2022-23 के लिए भारत का कुल अरंडी उत्पादन 19.46 लाख टन होगा, जो 2021-22 में 16.94 लाख टन से 15% अधिक है। आने वाले समय में अरंडी की कीमतें 6100-6500 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

सर्राफा

फेडरल रिजर्व द्वारा अपने सख्त मौद्रिक चक्र के संभावित अंत के नजदीक होने के संकेत के बाद, पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी दरों के अधिकतम स्तर पर पहुंचने के नजदीक होने के विचार से शून्य-यील्ड देने वाली कीमती धातु की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। जब तक 2023 में दर में कटौती के लिए बाजार की उम्मीदें बरकरार रहती हैं, तब तक सोना मनोवैज्ञानिक रूप से 2000 डॉलर के अहम स्तर पर पहुंच सकती है। फेड ने दरों में एक चौथाई प्रतिशत की वृद्धि की, लेकिन संकेत दिया कि इस महीने की शुरुआत में दो अमेरिकी उधारदाताओं के पतन के बाद बैंकिंग क्षेत्र के बारे में चिंता को देखते हुए उधार लेने की लागत में अधिक वृद्धि होने की समाप्ति पर है। फेड नीति निर्माताओं का मानना है कि मुद्रास्फीति को कम करने के लिए इस वर्ष केवल एक बार ब्याज दर में वृद्धि की आवश्यकता हो सकती है। मुख्य ध्यान अभी भी अमेरिकी बैंकिंग संकट पर है, कि क्या इसका प्रभाव आगे भी रहता है या नहीं। लेकिन फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेतावनी दी है कि फेड मुद्रास्फीति को 2% तक नीचे लाने के लिए 'पर्याप्त' कार्रवाई करेगा, और यदि आवश्यक हो तो दरों में वृद्धि करेगा। इस बीच, बैंक ऑफ इंग्लैंड लगातार 11वीं बार ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी किया है। कॉमेक्स पर सोने की कीमतों को अब 2010 डॉलर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है, और इस स्तर के ऊपर जाने पर कीमतें 2070 डॉलर पर पहुंच सकती है जबकि नीचे की ओर 1890 डॉलर का अहम स्तर बना हुआ है। चांदी भी सोने के नक्शेकदम पर कारोबार कर सकती है और चार्ट प्रभावशाली दिखता है, जिससे कीमतें 20.900-24.650 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है। इस हफ्ते एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में तेजी का रूझान बना रह सकता है जहां इसे 58000 के पास सपोर्ट और 62000 के पास रेजिस्टेंस मिल सकता है। चांदी की कीमतों में तेजी जारी रह सकती है और कीमतें 67000-73000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

डॉलर सूचकांक के 6 सप्ताह के निचले स्तर पर गिरने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई। साथ ही, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चे तेल के उपभोक्ता भारत से कच्चे तेल की मांग में बढ़ोतरी से भी कीमतों में तेजी का रूझान है। ईआईए के भंडार रिपोर्ट के अनुसार मिले-जुले आंकड़ों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में मामूली बढ़त बनी रही। भारत में कच्चे तेल की बढ़ती मांग के कारण तेल की कीमतों में तेजी है। भारत के तेल मंत्रालय के अनुसार फरवरी में भारत में कच्चे तेल का आयात वर्ष-दर-वर्ष 8.5% बढ़कर 19.1 मिलियन टन हो गया, जो सात महीनों में सबसे अधिक है। मंदी के एक कारक के रूप में, वोर्टेक्सा ने बताया कि 17 मार्च को समाप्त सप्ताह में कम से कम एक सप्ताह के लिए स्थिर रहे टैंकरों पर संग्रहीत कच्चे तेल की मात्रा सप्ताह-दर-सप्ताह 2.6% बढ़कर 82.71 मिलियन बैरल हो गई। पिछले बुधवार को था अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति इस वर्ष की पहली छमाही में मांग से अधिक होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर तेल भंडार जनवरी में 52.9 मिलियन बैरल बढ़कर 7.8 बिलियन बैरल हो गई, जो 1-1/2 वर्षों में सबसे अधिक है। फरवरी में ओपेक कच्चे तेल का उत्पादन 120,000 बैरल/दिन बढ़कर 29.24 मिलियन बैरल/दिन हो गया। दूसरी ओर, ईआईए के अनुसार गैसोलीन का भंडार 6.40 मिलियन बैरल कम हो गया, जो 2.36 मिलियन बैरल के अनुमान से अधिक है। इसके अलावा, ईआईए डिस्टिलेट की आपूर्ति 3.31 मिलियन बैरल कम हो गई, जो 1.5 मिलियन बैरल की अपेक्षा से अधिक है। इस सप्ताह में कच्चे तेल में बिकवाली का दबाव देखा जा सकता है और कीमतें 5400-6100 के दायरे में कारोबार कर सकती है। नेचुरल गैस की कीमतों में पिछले सप्ताह गिरावट दर्ज की गई क्योंकि 17 मार्च तक भंडार 5 साल के औसत से 22.0% अधिक है। फोरकास्टर एटमॉस्फेरिक जी 2 ने कहा कि 28 मार्च-1 अप्रैल से अधिकांश उत्तरी और पश्चिमी अमेरिकी तापमान सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। इस सप्ताह में कीमतें 155-210 के व्यापक दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें तेजी के रुझान के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं क्योंकि बाजार अभी भी व्यापक बैंकिंग क्षेत्र के संकट और कीमतों की दिशा के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय का आंकलन कर रहा है, जबकि चीनी मांग में सुधार की उम्मीद से भी सेंटीमेंट को बढ़ावा मिल सकता है। 2023 के पहले दो महीनों में चीन में आर्थिक गतिविधि में तेजी आई है क्योंकि कमजोर वैश्विक मांग और संपत्ति क्षेत्र में मंदी की चुनौतियों के बावजूद खपत और बुनियादी ढांचे के निवेश ने महामारी की बाधाओं से उबरने में मदद की है। तांबे की कीमतें 765-800 के दायरे में कारोबार कर सकती है। इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुपने अपने नवीनतम मासिक बुलेटिन में कहा है कि विश्व स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में जनवरी में 103,000 टन सरप्लस था, जबकि पिछले महीने 10,000 टन सरप्लस था। एलएमई बाजार में तांबे की आपूर्ति के बारे में चिंता फिर से शुरू हो गई है क्योंकि रद्द किए गए वारंट-डिलीवरी के लिए निर्धारित धातु-कुल 73,475 टन का एक सप्ताह पहले के 29% की तुलना में 45% है। जिंक की कीमतें 247-268 के दायरे में कारोबार कर सकती है। जिंक कंसंट्रेट के लिए चीन में हाजिर ट्रीटमेंट शुल्क मार्च में दो साल से अधिक के अपने उच्चतम स्तर से फिसल गया है, और उच्च स्मेल्टर उपयोगिता दरों और इसके सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार में मांग में रिकवरी के कारण इसमें अधिक गिरावट आने की संभावना है। इंटरनेशनल लेड और जिंक स्टडी ग्रुप के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक जिंक बाजार में एक महीने पहले 80,300 टन के संशोधित घाटे की तुलना में जनवरी में घाटा कम होकर 18,300 टन रह गया । लेड की कीमतें 178-187 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 198-215 के दायरे में कारोबार कर सकती है। यूरोप और अमेरिका में कमजोर खपत के कारण चीन के एल्युमीनियम उत्पादों के निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे प्राथमिक एल्युमीनियम की मांग कम होगी। एनसीडीईएक्स पर स्टील लॉन्ग (अप्रैल) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 47500-49500 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

इस्पात (स्टील)..."आर्थिक वृद्धि का अहम स्तंभ"

इस्पात उद्योग को अक्सर किसी भी देश के विकास के आर्थिक संकेतक के रूप में माना जाता है क्योंकि इसकी बुनियादी ढांचागत और समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में लगभग 60% स्टील उत्पादन मुख्य रूप से टीएमटी, बार्स, वायर रॉड, और चैनल आदि जैसे विभिन्न रूपों के साथ निर्माण गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले लंबे उत्पादों के लिए होता है। उत्पादित स्टील के शेष 40% फ्लैट उत्पादों का उपयोग इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उद्देश्य के लिए किया जाता है। सभी तरह के सेंगमेंट में स्टील के अनुप्रयोग में भारी उछाल देखने को मिलेगा, और इसके अलावा उपयोग के नए क्षेत्रों जैसे कि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एकीकरण और ड्रोन तकनीक से स्टील कारोबारियों को पर्याप्त अवसर मिलेगा।

भारतीय परिदृश्य

- इस्पात मंत्रालय के अनुसार, भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक, ने बढ़ती मांग के कारण 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान 120 मिलियन टन (एमटी) कच्चे इस्पात का उत्पादन किया है।
- भारत में इस्पात की खपत 2013-14 में 57.8 किलोग्राम प्रति व्यक्ति से बढ़कर वर्तमान में 77.2 किलोग्राम प्रति व्यक्ति हो गई है, जबकि वैश्विक औसत 277 किलोग्राम प्रति व्यक्ति है। नीति में 2030 तक घरेलू प्रति व्यक्ति स्टील खपत को 160 किलोग्राम के स्तर तक बढ़ाने का भी प्रयास किया गया है।
- निर्माण गतिविधियों में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2022 में इस्पात की खपत बढ़कर 106 हजार टन होने का अनुमान है।
- सरकार का इरादा 2030 तक 30 करोड़ टन (एमटी) इस्पात उत्पादन लक्ष्य हासिल करने का है।
- लगातार 3 वर्षों यानी वित वर्ष 20, वित वर्ष 21 और वित वर्ष 22 में बढ़त दर्ज करने के बाद, वित वर्ष 23 (अप्रैल-दिसंबर) के पहले नौ महीनों के दौरान निर्यात में कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस्पात निर्यात में 54% की भारी गिरावट हुई है। यह मुख्य रूप से कमजोर अंतरराष्ट्रीय मांग, निरंतर भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीती की विपरीत परिस्थितियों के कारण हुआ है। इसके अलावा, स्टील उत्पादों पर सरकार द्वारा लगाए गए 15% निर्यात शुल्क ने भी मई 2022 से नवंबर 2022 तक भारत से निर्यात को प्रभावित किया।

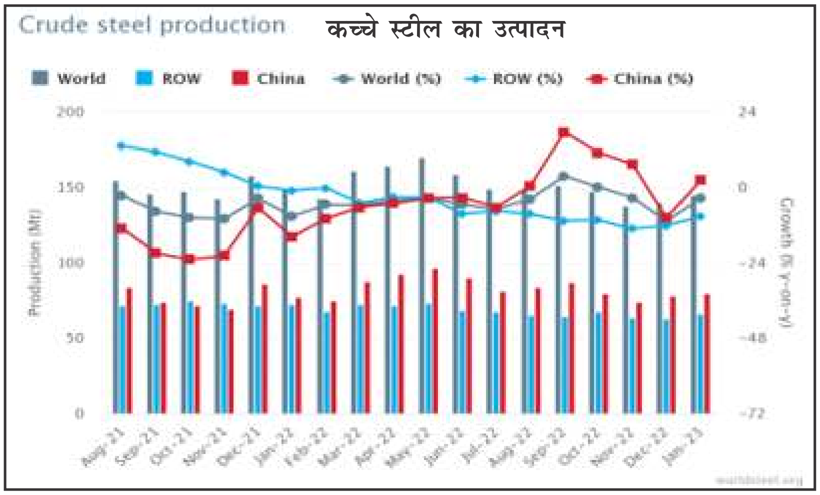

विश्व परिदृश्य

- विश्व इस्पात संघ के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कच्चे इस्पात का उत्पादन 2022 में 4.3% कम होकर 1878.5 मिलियन टन हो गया है। 2021 में कच्चे इस्पात का वैश्विक उत्पादन 1950.5 मिलियन टन हुआ था।
- विश्व इस्पात संघ को रिपोर्ट करने वाले 64 देशों में इस्पात उत्पादन के आधार पर फरवरी में विश्व स्तर पर कच्चे इस्पात का उत्पादन 1% (वर्ष दर वर्ष) घटकर 142.4 मिलियन टन रह गया है जिसका मुख्य कारण चीन और भारतीय इस्पात उत्पादन में गिरावट है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 में चीन में कच्चे इस्पात का उत्पादन 2021 की तुलना में 2.1% या 21.73 मिलियन टन गिरकर 1.013 बिलियन टन रह गया, जो लगातार दूसरी वार्षिक गिरावट है।
- 2022 में, चीन में स्टील की खपत 2021 की तुलना में 3.3% या 31 मिलियन टन घटकर 914 मिलियन टन रह गई।

आउटलुक

उच्च इनपुट लागत, मुख्य रूप से लौह अयस्क और कोकिंग कोल की अधिक लाागत, और चल रहे भू-राजनीतिक संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्टील की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। घरेलू स्टील की कीमतों के भी वैश्विक कीमतों के अनुकूल रहने की संभावना है और समग्र आर्थिक रिकवरी और इनपुट कीमतों में वृद्धि के बीच बुनियादी ढांचे के विकास और रियल एस्टेट और निर्माण गतिविधियों में तेजी के कारण बेहतर घरेलू मांग होने से घरेलू स्टील की कीमतों में तेजी रहने की उम्मीद है।

कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों में संक्रमण के साथ-साथ चीन में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास ने कई विश्लेषकों को इस कमोडिटी के लिए तेजी का दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया है। भारत में केंद्रीय बजट 2023-24 में पूंजीगत खर्च के तहत वर्ष-दर-वर्ष 37.4% की बढ़ोतरी के साथ 10 लाख करोड रू के आवंटन के कारण इस्पात उत्पादन में वृद्धि हो रही है। गति-शक्ति मास्टर प्लान, मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए 'मेक-इन-इंडिया' की पहल, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) आदि के माध्यम से बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार का जोर देश में स्टील की मांग और खपत को गति प्रदान करेगा।

एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Moneywise. Be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।